श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल राजस्थान का उद्‌बोधन

स्वर्गीय श्री सुन्दर सिंह भण्डारी चेरिटेबल ट्रस्ट का प्रतिभा सम्मान समारोह

दिनांक 22 दिसम्बर, 2019 **समय दोपहरः 01.00 बजे**

सुखाडिया रंगमंच, उदयपुर

स्व. श्री सुन्दर सिंह भण्डारी चेरिटेबल संस्था के अध्यक्ष, माननीय श्री गुलाब चन्द कटारिया जी, अक्ष्यक्षता, श्री जी. एस. पोद्दार जी, चित्तोडगढ के सांसद माननीय श्री सी.पी. जोशी जी, उदयपुर के सांसद माननीय श्री अर्जुन मीणा जी, सम्मानित अतिथिगण, भाइयो और बहनो।

स्व. सुन्दरसिंह भण्डारी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे प्रसन्नता हो रही है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी का जन्म उदयपुर के एक सभ्रांत, प्रतिष्ठित एवं शिक्षित परिवार में हुआ था। श्री भंडारी जी के पिताजी उस समय राजकीय सेवा में डाक्टर थे। उनके भाई भी डाक्टर थे। उदयपुर में केवल इण्टरमीडियेट तक ही शिक्षा की व्यवस्था थी। आगे की शिक्षा के लिये उन्हें कानपुर, उत्तरप्रदेश जाना पडा। ईश्वर योग से श्री सुन्दर सिंह भंडारी एवं श्री दीनदयाल उपाध्याय पढाई करते हुए संघ के प्रचारक श्री भाउराव देवरस के संपर्क में आये। वहां से दोनों ही राष्ट्र को समर्पित जीवन की ओर बढ़ चले।

शिक्षा पूरी करने के उपरान्त संघ के प्रचारक बनने की इच्छा जागृत हुई। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने संघ का प्रचारक बना दिया, लेकिन भंडारी जी को कहा गया कि पहले वह खाने कमाने का कार्य करें उसके बाद विचार किया जावेगा।

श्री भंडारी जी ने गुरूजी के आदेश को मानते हुए उदयपुर में वकालत प्रारंभ की। बाद में उन्होंने वकालत छोडकर शिक्षा भवन सैकेण्डरी स्कूल, उदयपुर में प्रधानाध्यापक पद पर कार्य किया। तब से उन्हें उदयपुर में मास्टर साहब के नाम से सारा शहर जानता था। सन् 1946 में गुरूजी ने उन्हें संघ का कार्य दिया। उन्होंने पुनः गुरू जी के पास जाकर कहा कि आपके आदेशानुसार नौकरी की अब मैं अपना सम्पूर्ण जीवन संघ को समर्पित कर राष्ट्र को देना चाहता हूं। सन् 1946 में उन्हें प्रचारक बनाकर जोधपुर में विभाग प्रचारक का कार्य दिया गया।

देश के विभाजन के समय श्री भंडारी जी जोधपुर में संघ का कार्य कर रहे थे। उस समय उन्हें पाकिस्तान से आने वाले शरणार्थियों को ठहराना, उनके खानपान एवं उनकी उचित देखभाल करने की जिम्मेदारी दी गई जो उन्होंने बखूबी निभाई।

सन् 1951 में जनसंघ की स्थापना के समय डा0 श्यामाप्रसाद मुखर्जी को संघ के कार्यकर्ताओं को राजनीति में कार्य करने हेतु दिये उसमें श्री दीनदयाल उपाध्याय, श्री सुन्दर सिंह भंडारी, श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री अटल बिहारी बाजपूयी, श्री कुशाभाउ ठाकरे, श्री जगन्नाथ राव जोशी जैसे कई संघ के कार्यकर्ता थे। श्री भंडारी जी ने अखिल भारतीय महामंत्री के रूप में कई वर्षों तक कार्य किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की मृत्यु के पश्चात सन् 1968 में भारतीय जनसंघ के अखिल भारतीय संगठन महामंत्री के रूप में कार्य किया। इन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय के स्थान पर संगठन महामंत्री का दायित्व सौंपा गया।

आपातकाल में जेल में रहते हुए इनकी जनता पार्टी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही। जनता पार्टी का जब विघटन हुआ तब भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। तब से वे भारतीय जनता पार्टी के संगठन महामंत्री के रूप में लम्बे समय तक कार्य करते रहे।

माननीय अटल बिहारी जी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल में उन्हें बिहार का राज्यपाल बनाया गया तथा उसके बाद उन्हें गुजरात के राज्यपाल पद की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई।

सन् 2005 में उनका स्वर्गवास हो गया। उनके स्वर्गवास के पश्चात हम उदयपुर के कार्यकर्ताओं ने आपके (श्री कलराज जी मिश्र) सुझाव पर ही भंडारी जी का नाम हमेशा बना रहे इसलिये सुंदर सिंह भंडारी जी के नाम से ट्रस्ट का गठन किया, जिसका विधिवत पंजीयन कराया गया एवं आयकर की धारा 80 जी से ट्रस्ट को जोडा।

देशभर के भंडारी जी से जुडे अधिकांश व्यक्तियों को 11000/—रूपये लेकर आजीवन सदस्य बनाया गया और उसी से 95 लाख से अधिक की राशी इकट्ठी कर बैंक में एफ0डी0 कराई गई है। इस सहायता राशी से ही और कुछ अन्य सहयोगियों, जिनमें आज के अध्यक्ष के रूप में बिराजमान पौद्धार साहब का भी काफी योगदान रहा है।

ट्रस्ट द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान एवं प्रोत्साहन दिये जाने का कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार ट्रस्ट द्वारा महान शख्सियत जैसे पं0 श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय, श्री सुन्दर सिंह भंडारी, श्री भैरोसिंह शेखावत एवं श्री अटल बिहारी जी वाजपेयी जी की जन्म एवं पुण्यतिथि पर उनकी यादगार में सम्मान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किये जाते हैं।

इस समारोह में मुझे बुलाया, इसके लिए आपका आभार ज्ञापित करता हूँ।

धन्यवाद। जय हिन्द।